

**संजय गांधी पीजीआई देश में पांचवें पायदान पर, एनआईआरएफ रैंकिंग 2025 में बड़ी उपलब्धि** लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) 2025 में देशभर की मेडिकल संस्थाओं में पांचवां स्थान प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पिछले वर्ष संस्थान को छठी रैंक मिली थी। शिक्षा मंत्री धर्मप्र प्रधान ने 4 सितंबर को नतीजों की घोषणा की। पीजीआई को इस बार शिक्षक-छात्र अनुपात, विश्वविद्यालय परीक्षा मानक और दिव्यांगजन सुविधाओं में पूरे अंक मिले। साथ ही छात्र संख्या, शिक्षक योग्यता और अनुभव, बौद्धिक संपदा (पेटेंट), उच्च शिक्षा में सफलता, औसत वेतन, महिला विविधता और धारणा (परसेप्शन) मानकों में भी सुधार दर्ज हुआ। खासतौर पर हाल में मिली एनएसी ए++ मान्यता से धारणा स्कोर में सबसे बड़ी बढ़ोतरी हुई संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमन के नेतृत्व में यह उपलब्धि संभव हुई। इस सफलता में प्रो. (डॉ.) आर. हरश्वर्धन (अस्पताल प्रशासन विभाग), प्रो. शालीन कुमार (डीन), ले. कर्नल वरुण बाजपेई, वीएसएम (कार्यकारी रजिस्ट्रार) सहित पूरी टीम का अहम योगदान रहा। एसजीपीजीआई उत्तर प्रदेश का एकमात्र सरकारी चिकित्सा संस्थान है जिसने इतनी ऊंची राष्ट्रीय रैंकिंग हासिल की है।

## पीजीआई को मेडिकल श्रेणी में 5वीं रैंक

लखनऊ, संवाददाता। एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 की तुलना में इस बार विधि श्रेणी में बीबीएयू को दो रैंक के नुकसान के साथ 12वां, आरएमएनएलएयू को एक रैंक को गिरावट के साथ 21वां और लखनऊ विवि को छह रैंक की कमी के साथ 29वां स्थान प्राप्त हुआ। आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग श्रेणी में एकेटीयू को आर्किटेक्चर फैकल्टी को पहली बार 39वां रैंक हासिल हुई है। वहीं, पीजीआई की रैंकिंग में बीते वर्ष के मुकाबले एक रैंक का सुधार हुआ है। संस्थान ने देश भर में मेडिकल श्रेणी में 5वीं रैंक हासिल की है। वर्ष 2024 में पीजीआई की 6 वीं और वर्ष 2023 में 7 वीं रैंक थी। पीजीआई निदेशक पद्मश्री डॉ. आरके धीमान का कहना है कि यह पूरे संस्थान के प्रयास से संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि रोगियों के उपचार और शोध का दायरा बढ़ा है। संस्थान में पाठ्यक्रमों के परिणाम भी अच्छे आए हैं।

### फार्मसी में नाईपर को 17वां स्थान मिला

फार्मसी श्रेणी में नाईपर रायबरेली 14वें से 17वें, बीबीएयू 21वें से 23वें स्थान पर लुढ़क गए। इंटीग्रेल विवि बीते वर्ष से पांच अंक सुधार कर 40वें स्थान पर काबिज हुआ।

खुशी है कि इस वर्ष विश्वविद्यालय, राज्य वित्तपोषित और विधि श्रेणी में हमने अपने अंक बेहतर किए हैं। भविष्य में और ऊंची रैंकिंग के लिए हम प्रयास करेंगे। यह प्रगति शिक्षकों की निष्ठा, विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

— प्रो. मनुका खन्ना, कुलपति, एल्यू

हैं। अगले वर्ष इसे और बेहतर करने का प्रयास किया जाएगा। संस्थान के डीन डॉ. शालीन कुमार, संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक व अस्पताल

### आईआईएम लखनऊ को पांचवां स्थान

मैनेजमेंट श्रेणी में आईआईएम को इस बार पांचवां स्थान मिला है। इसी तरह एल्यू पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जिसे मैनेजमेंट श्रेणी में टॉप-100 में जगह प्राप्त हुई है।

केजीएमयू में इलाज से लेकर मेडिकल पढ़ाई तक की व्यवस्था में तेजी से सुधार किया जा रहा है। गुणवत्तापरक शोध हो रहे हैं। इलाज की आधुनिक तकनीक केजीएमयू को आगे बढ़ाने में मदद कर रही है।

— डॉ. केके सिंह, प्रवक्ता, केजीएमयू

प्रशासन विभाग के प्रमुख डॉ. राजेश हरश्वर्धन, एक्सिक्यूटिव रजिस्ट्रार कर्नल वरुण बाजपेई समेत अन्य का अहम योगदान है।

## Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences achieved 5<sup>th</sup> position in the NIRF Ranking in the year 2025

SGPGIMS has achieved a remarkable milestone by advancing from 6<sup>th</sup> rank in 2024 (out of 182 participating medical institutions) to 5<sup>th</sup> rank in 2025 (out of 223 institutions) nationwide.

In **NIRF 2024**, SGPGIMS achieved a commendable 6<sup>th</sup> position nationally in the Medical category. Building on this momentum, SGPGIMS once again participated in the NIRF 2025 ranking exercise. On 04<sup>th</sup> September, 2025, the Hon'ble Union Minister of Education, **Shri Dharmendra Pradhan**, Government of India, announced the results of **NIRF Rankings 2025**. In this prestigious evaluation, This upward progression is a testament to the Institute's unwavering commitment to excellence in patient care, medical education, and research, and further reinforces its standing as one of India's foremost centres of medical excellence. The highlights of the released NIRF – 2025 ranking of SGPGIMS are mentioned below:

- SGPGIMS scored Full Marks in following parameters in NIRF 2025 Ranking:
  - FSR : Faculty Student Ratio**
  - GUE : Metric for University Examination**
  - PCS : Facilities for Physically Challenged**

Further, SGPGIMS through its concerted efforts, ensured an:

- Increase in **SS (Student Strength)** parameter score from 13.75 to 14.24
- Increase in **FQE (Faculty Qualification & Experience)** parameter score from 16.67 to 17.27
- Increase in **IPR (Patents/Intellectual Property)** parameter score from 1.50 to 3.0
- Increase in **GPH (Graduation Outcomes – Higher Studies)** parameter score from 22.27 to 22.57
- Increase in **GSS (Median Salary)** parameter score from 12.25 to 12.72
- Increase in **WD (Women Diversity)** parameter score from 24.80 to 25.07
- Increase in **PR (Perception)** parameter score from 41.34 to 45.05 (largest gain)

This is noteworthy that the **National Institutional Ranking Framework (NIRF)** was approved by the Ministry of Human Resource Development (MHRD) and formally launched by the Hon'ble Minister of Human Resource Development on 29<sup>th</sup> September, 2015. This framework provides a credible methodology to rank Institutions across the country on the basis of objective and transparent parameters.

NIRF evaluates institutions across **five broad categories of performance indicators**:

1. Teaching, Learning and Resources (TLR)
2. Research and Professional Practice (RP)
3. Graduation Outcomes (GO)
4. Outreach and Inclusivity (OI)
5. Perception (PR)

Several of these parameters align with globally accepted benchmarks for assessing teaching, learning and research environments, while certain India-centric indicators reflect the aspirations of the rapidly expanding higher education landscape in the country.

**Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences (SGPGIMS)**, a premier tertiary care institute in Lucknow, established under the State Legislature Act in 1983, has consistently been recognized as a **Centre of Excellence (CoE)** for providing advanced medical care, education and research of the highest standards. In 2018, the **Department of Hospital Administration, SGPGIMS** took a pioneering initiative by advocating for the creation of a **separate category for medical institutions under NIRF Rankings**. Since then, the Department has been responsible for meticulous preparation, compilation, verification, and submission of institutional data to the NIRF portal,

following due approval channels through the Executive Registrar, Dean and finally the Director.

Under the dynamic leadership of **Padma Shri Awardee Prof. R. K. Dhiman**, Director, SGPGIMS, the institute achieved the coveted **NAAC A++ accreditation**, which significantly boosted the **Perception parameter score from 41.34 to 45.05**—the largest single gain of **+3.71** in this cycle. Notably, SGPGIMS remains the only Government Medical Institute of Uttar Pradesh to secure such a prestigious position.

This milestone is the outcome of the collective dedication of the NIRF Team at SGPGIMS, which worked tirelessly under the visionary leadership of **Prof. R. K. Dhiman**. The Department of Hospital Administration served as the nodal department under the guidance of **Prof. (Dr.) R. Harsvardhan**, ensuring systematic preparation and submission of data. **Prof. Shaleen Kumar**, Dean, SGPGIMS, and **Lt. Col. Varun Bajpai, VSM**, Executive Registrar also played pivotal roles in steering the ranking process. The residents of the Department of Hospital Administration made invaluable contributions, devoting immense effort and precision to ensure that SGPGIMS showcased its true strength on the national stage.